कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-006

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई-006 : गणित, ग्रहण, वेध एवं यन्त्रादि विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

3×20=60

1. पठित अंश के आधार पर अंकगणित का परिचय दीजिए।
2. त्रिकोणमिति-गणित का सोदाहरण परिचय दीजिए।
3. वैदिक गणित का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

4. चन्द्रग्रहण से आप क्या समझते हैं ? सैद्धान्तिक वर्णन पुस्तक कीजिए।
5. वलन क्या है ? विस्तार से सोदाहरण वर्णन कीजिए।
6. ग्रहण के फल और उसमें पालनीय नियमों का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. सूर्यग्रहण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
8. चन्द्र शृंगोन्नति क्या है ? ज्योतिषशास्त्र में इसके लिए किये गये विचारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
9. बीजगणित का संक्षेप में परिचय दीजिए।
10. गहों के उदय और अस्त से सम्बन्धित सिद्धान्तों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
11. संक्रान्ति किसे कहते हैं ? संक्षेप में सोदाहरण वर्णन कीजिए।
12. भारतीय वेध परम्परा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
13. पात विचार पर टिप्पणी लिखिए।
14. वेध के महत्व का सोदाहरण वर्णन कीजिए।